Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 25 April 2024

Dainik Jagran Page - 04

ब्लाकचेन तकनीक से डिग्री जारी करेगा विश्वविद्यालय

अकादमिक प्रमाणपत्रों के सत्यापन व प्रबंधन के तरीके में आएगा बदलाव | पारदर्शिता को मिलेगा बढ़ावा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अब अकादमिक प्रमाणपत्रों के सत्यापन व प्रबंधन के तरीके में डिग्री व अन्य प्रमाण-पत्र जारी करेगा। अभी यह से लागू होने जा रहा है। इस कदम से छात्रों को अपने दस्तावेजों की सुरक्षा, पारदर्शिता और पहुंच को बढ़ावा देना है। इस नई तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि एक बार डिग्री जारी होने के बाद इसमें बदलाव या छेड़छाड़ नहीं हो सकेगी।

गत्रकार सम्मेलन में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अकादमिक प्रमाण-पत्रों के सत्यापन और प्रबंधन के तरीके में बदलाव का उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक रिकॉर्ड की सुरक्षा, पारदर्शिता और पहुंच को बढ़ावा देना है। अगले सत्र से यह व्यवस्था लागू होगी।

आप को बता दें की विश्वविद्यालय इस अभिनव पहल को अपनाने वाले भारत के पहले विश्वविद्यालयों में से एक बनने की ओर अग्रसर है। ब्लॉकचेन तकनीक के प्रयोग से अकादमिक प्रमाण-पत्रों के सत्यापन और प्रबंधन के तरीके में बदलाव आएगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि जवाबदार और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। डिग्रियों की प्रमाणिकता भी रहेगी।

- ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के साथ अकादमिक क्षेत्र में ला रहा क्रांति
- अकादमिक प्रमाण-पत्रों के सत्यापन और प्रबंधन के तरीके में आएगा क्रांतिकारी बदलाव

टापरों की अंतिम सूची जारी मिलेंगे 113 स्वर्ण पदक

स्थापना दिवस समारोह स्थल का कुलपति ने किया निरीक्षण

Amar Ujala Page - 05, 06

ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग कर डिग्री जारी करेगा डीडीयू

एक बार डिग्री जारी होने पर नहीं हो सकेगा बदलाव या छेड़छाड़

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अकादमिक प्रमाणपत्रों के सत्यापन व प्रबंधन के तरीके में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। अब ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग कर डिग्रियों की डिग्री और अन्य प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे। इस नई व्यवस्था को लागू करने के पीछे विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक रिकॉर्ड की सुरक्षा, पारदर्शिता और पहुंच को बढ़ावा देना है। अगले सत्र से यह व्यवस्था लागू होगी।

ब्लॉकचेन तकनीक के एक बार डिग्री जारी होने के बाद इसमें बदलाव या छेड़छाड़ नहीं किया जा सकता। यह विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए फायदेमंद होगा, जिन्हें विदेश में रोजगार या आगे की पढ़ाई के लिए सत्यापित शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की जरूरत होती है। इससे अकादमिक प्रमाण-पत्रों के सत्यापन और प्रबंधन के तरीके में बड़ा बदलाव आएगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि जवाबदार और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। डिग्रियों की प्रमाणिकता भी रहेगी।

ब्लॉकचेन तकनीक के फायदे

विश्वविद्यालय ने कई तरह की अधिक गोपनीयता की जरूरत पड़ती है, जिसमें कुलपति द्वारा दी गई डिग्री, अकादमिक प्रमाणपत्रों की प्रतियां और अन्य प्रमाणपत्र जारी किए जाते। इस नई व्यवस्था को लागू के पीछे विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक रिकॉर्ड की सुरक्षा, पारदर्शिता और पहुंच को बढ़ावा देना है। अगले सत्र से यह व्यवस्था शुरू हो जाएगी।

ब्लॉकचेन तकनीक से एक बार डिग्री जारी होने के बाद इसमें बदलाव या छेड़छाड़ नहीं किया जा सकता। यह विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए फायदेमंद होगा, जिन्हें विदेश में रोजगार या आगे की पढ़ाई के लिए सत्यापित शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की जरूरत होती है। इससे अकादमिक प्रमाणपत्रों के सत्यापन और प्रबंधन के तरीके में बड़ा बदलाव आएगा।

डीडीयू : पीजी टॉपर्स की अंतिम सूची जारी

113 स्वर्ण पदक मिलेंगे, गोल्डमिडल की मिलेगा 47 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और 66 स्नातकों स्वर्ण पदक

Inext Page -02

ऑनलाइन कार्यक्रमों से आबादी के एक बड़े वर्ग को लाभ

डीडीयूजीयू : टॉपर्स की अंतिम सूची जारी, मिलेंगे 113 गोल्ड मेडल

ब्लाकचेन तकनीक का उपयोग कर डिग्री जारी करेगी यूनिवर्सिटी

मेधावियों को मिलेगा 113 स्वर्ण पदक

Rashtriya Sahara Page - 05

अब ब्लॉकचेन तकनीक से मिलेगी डिग्री

गोरखपुर (एसानुल्लाही)। दीनदयाल गोरखपुर कार्यक्रम तकनीक का उपयोग करके विद्यार्थियों को डिग्री सर्टिफिकेट जारी करने के लिए एक अभूतपूर्व पहल की शुरुआत कर रहा है। इस तकनीक को अपनाने के बाद विद्यार्थियों का शैक्षणिक रिकार्ड अधिक सुरक्षित होगा क्या एक बार जारी होने के बाद इसके साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है, जिससे शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक विश्वसनीय और पारदर्शी मंच तैयार होगा। इस तकनीक को अपनाने के बाद डिग्री जारी होने के बाद, इसमें बदलाव या छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है, जिससे शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक विश्वसनीय और पारदर्शी मंच तैयार होगा। यह विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए फायदेमंद होगा, जिन्हें विदेश में रोजगार या आगे की पढ़ाई के लिए सत्यापित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होती है।

डीडीयू में विद्यार्थियों के लिए नई पहल

- यह तकनीक विद्यार्थियों के लिए होगी फायदेमंद
- विद्यार्थियों के शैक्षणिक रिकार्ड को रखा जा सकेगा सुरक्षित

विद्यार्थियों की प्रामाणिकता सुनिश्चित करेगी यह तकनीक: कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए कहा डिग्री जारी करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक की अपनाना इस नवाचार की शुरुआत है। यह तकनीक न केवल डिग्री जारी करने के लिए सटीक प्रमाण विद्यार्थियों के बुरा नहीं है। समाजिक के अकादमिक के पारदर्शिता को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही कुलपति ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह को बढ़ावा करने के लिए सटीक संस्थान का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेहमानों को ऑनलाइन निमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं। इसके साथ ही समारोह स्थल को भी फूलों से सजाया जाएगा।

Hindustan Page - 06

सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाएगी ऑनलाइन शिक्षा

बैठक

- ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा केंद्र को लेकर कुलपति ने की बैठक
- पाठ्यक्रम में विदेशी विषय विशेषज्ञों को शामिल करें विभाग

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा केंद्र की एक बैठक बुधवार को कमेटी हॉल में आयोजित हुई। इसमें विभागाध्यक्षों और कार्यक्रम समन्वयकों ने सहभागिता की।

कुलपति ने ऑनलाइन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि इससे आबादी के एक बड़े वर्ग जैसे कामकाजी व्यक्तियों, किसानों और अन्य लोगों को लाभ होगा, जो नियमित रूप से ऑफलाइन शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं। उन्होंने पाठ्यक्रमों की डिजाइनिंग में विदेशी विषय विशेषज्ञों को शामिल करने की सलाह दी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि संबंधित विभाग विश्वविद्यालय के मौजूदा पाठ्यक्रम के अनुसार अपनी पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करकर इसे विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा के लिए जल्द से जल्द प्रस्तुत करें। केंद्र के निदेशक प्रो. गौरहरि बेहरा ने ऑनलाइन मोड में शुरू होने वाले प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। गणित विभाग के शिक्षकों एवं डॉ. विक्रमा पालीवाल ने पाठ्यक्रम सामग्री के कुछ नमूने प्रस्तुत किए।

बैठक में डीन प्रो. श्रीवर्धन पाठक, प्रो. सरिता पांडेय, निदेशक आईक्यूएसी प्रो. सुधीर श्रीवास्तव, प्रो. विजय पाल, डॉ. तुलिका मिश्रा और डॉ. स्वर्णिमा सिंह आदि मौजूद रहे।

47 टॉपर्स को मिलेंगे 113 स्वर्ण पदक, जारी की सूची

डीडीयू

- अकादमिक प्रमाणपत्रों के सत्यापन और प्रबंधन के तरीके में आएगा बदलाव
- 18 शिक्षकों के पीएचडी अवार्ड होने पर कुलपति ने दी बधाई

Swatantra Chetna Page - 04

विश्वविद्यालय करेगा ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग

- विश्वविद्यालय ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के साथ अकादमिक क्षेत्र में ला रहा क्रांति
- अकादमिक प्रमाण-पत्रों के सत्यापन और प्रबंधन के तरीके में आएगा क्रांतिकारी बदलाव

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करके विद्यार्थियों को डिग्री सर्टिफिकेट जारी करने के लिए एक अभूतपूर्व पहल की शुरुआत कर रहा है।

आप को बता दें की विश्वविद्यालय इस अभिनव पहल को अपनाने वाले भारत के पहले विश्वविद्यालयों में से एक बनने की ओर अग्रसर है। ब्लॉकचेन तकनीक के प्रयोग से अकादमिक प्रमाण-पत्रों के सत्यापन और प्रबंधन के तरीके में बड़ा बदलाव आएगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि जवाबदार और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। विद्यार्थियों की प्रमाणिकता भी रहेगी।

कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए कहा, डिग्री जारी करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक को अपनाना नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह तकनीक न केवल अकादमिक प्रमाण-पत्रों को सत्यापित करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगी बल्कि हमारी डिग्रियों की प्रामाणिकता भी सुनिश्चित करेगी। बताया की ब्लॉकचेन तकनीक यह सुनिश्चित करती है कि एक बार डिग्री जारी होने के बाद, इसमें बदलाव या छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है, जिससे शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रिकॉर्ड उपलब्ध होता है। यह विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए फायदेमंद होगा, जिन्हें विदेश में रोजगार या आगे की पढ़ाई के लिए सत्यापित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होती है।

कुलपति ने किया स्थापना दिवस समारोह स्थल का निरीक्षण

- कुलपति ने की स्मारिका समिति के साथ बैठक

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने बुधवार को स्थापना दिवस समारोह स्थल दीक्षा भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने दीक्षा भवन को सुसज्जित करने तथा समारोह को यादगार बनाने के लिए सभी को निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान अनुभवन समिति की प्रमुख प्रोफेसर नंदिता आईपी सिंह सहित सभी समितियों के समन्वयक तथा विश्वविद्यालय के अधिकारीगण एवं अभिभावा या कर्मचारी मौजूद रहे।

कुलपति ने आज समारोह समिती के साथ भी बैठक की तथा उसके स्वरूप के बारे में विस्तृत चर्चा की।

इसके साथ ही कुलपति ने स्थापना दिवस समारोह पर सम्मानित किए जाने वाले विशिष्ट पुरातन छात्रों की सूची को भी अंतिम रूप देने के लिए बैठक की।

Amar Ujala Select Page - 02

डीडीयू : पीजी टॉपर्स की अंतिम सूची जारी, मिलेंगे 113 स्वर्ण पदक

कुलपति ने किया स्थापना दिवस समारोह स्थल का निरीक्षण

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुलपति को विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर के साथ साथ बीबीए, बीसीए, बीबीएम टॉपरों की अंतिम सूची जारी कर दी। इन टॉपरों को एक मई को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के दौरान गोल्ड मेडल दिए जाएंगे।

अंतिम बेगरता सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.ddugu.ac.in पर अपलोड है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से मेडल प्राप्त करने की प्रक्रिया के लिए परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से संपर्क करने को कहा है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर कुल 113 स्वर्ण पदक मेधावियों को दिए जाएंगे। इनमें 47 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा 66 स्नातकों स्वर्ण पदक होंगे।

स्थापना दिवस की तैयारी जोरो पर

उधर, विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस समारोह की तैयारियां जोरो पर हैं। समारोह के आयोजन में पर्याप्त संसाधन का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेहमानों को ऑनलाइन निमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं। इसके साथ ही समारोह स्थल को भी फूलों से सजाया जाएगा।

Gorakhpur Super Fast Times

कुलपति ने स्थापना दिवस समारोह के स्थल का किया निरीक्षण

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने बुधवार को स्थापना दिवस समारोह स्थल दीक्षा भवन का निरीक्षण किया। कुलपति ने समारोह को भाग एवं आकर्षक बनाने के लिए गहित की गई समितियों के समन्वयक से तैयारियों की जानकारी भी ली।निरीक्षण के दौरान कुलपति ने दीक्षा भवन को सुसज्जित करने तथा समारोह को यादगार बनाने के लिए सभी को निर्देशित किया। अनुभवन समिति की प्रमुख प्रो. नंदिता आईपी सिंह समेत सभी समितियों के समन्वयक और विश्वविद्यालय के अधिकारी मौजूद रहे। कुलपति ने स्मारिका समिति के साथ भी बैठक की और उसके स्वरूप के बारे में चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने स्थापना दिवस समारोह पर सम्मानित किए जाने वाले विशिष्ट पुरातन छात्रों की सूची को भी अंतिम रूप देने के लिए बैठक की।

छात्रों ने ब्लॉकचेन तकनीक से अकादमिक प्रमाण-पत्रों के सत्यापन और प्रबंधन के सीखे तरीके

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करके विद्यार्थियों को डिग्री सर्टिफिकेट जारी करने के लिए एक अभूतपूर्व पहल की शुरुआत कर रहा है। गोरखपुर विश्वविद्यालय इस अभिनव पहल को अपनाने वाले भारत के पहले विश्वविद्यालयों में से एक बनने की ओर अग्रसर है। ब्लॉकचेन तकनीक के प्रयोग से अकादमिक प्रमाण-पत्रों के सत्यापन और प्रबंधन के तरीके में बड़ा बदलाव आएगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि जवाबदार और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। विद्यार्थियों की प्रमाणिकता भी रहेगी।

पाठ्यक्रमों की डिजाइनिंग में विदेशी विषय विशेषज्ञों को शामिल करने को,कुलपति ने दिए निर्देश

मुख्य संवाददाता(सास्वत राम त्रिपाठी)

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा केंद्र की एक बैठक आज विश्वविद्यालय के कमेटी हॉल में आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में विभागाध्यक्षों और कार्यक्रम समन्वयकों ने सहभागिता की।बैठक में कुलपति ने ऑनलाइन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि इससे आबादी के एक बड़े वर्ग जैसे कामकाजी व्यक्तियों, किसानों और अन्य लोगों को लाभ होगा, जो नियमित रूप से ऑफलाइन शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं। उन्होंने पाठ्यक्रमों की डिजाइनिंग में विदेशी विषय विशेषज्ञों को शामिल करने की सलाह दी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि संबंधित विभाग विश्वविद्यालय के मौजूदा पाठ्यक्रम के अनुसार अपनी पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करकर इसे विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा के लिए जल्द से जल्द प्रस्तुत करें। केंद्र के निदेशक प्रो. गौरहरि बेहरा ने ऑनलाइन मोड में शुरू होने वाले प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। गणित विभाग के शिक्षकों एवं डॉ. विक्रमा पालीवाल ने पाठ्यक्रम सामग्री के कुछ नमूने प्रस्तुत किए। बैठक में डीन प्रो. श्रीवर्धन पाठक, प्रो. सरिता पांडेय, निदेशक आईक्यूएसी प्रो. सुधीर श्रीवास्तव, प्रो. विजय पाल, डॉ. तुलिका मिश्रा और डॉ. स्वर्णिमा सिंह आदि मौजूद रहे।

भी समाधान किया।बैठक के सदस्यों को बेठ के निदेशक प्रो.गौरहरि बेहरा ने आपनी सब ने ऑनलाइन मोड में शुरू होने वाले प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रमों की अभियांयकों और संबंधित विभाग द्वारा बनाए जाने वाले पाठ्यक्रम सामग्री के मसलों के साथ साथ पाठ्यक्रम सामग्री के कुछ नमूने कुलपति के समक्ष प्रस्तुत किये गये। बैठक में डीन,वाणिज्य संकाय,प्रोफेसर श्रीवर्धन पाठक,डीन शिक्षा,संकाय प्रोफेसर सरिता पांडे,निदेशक आईक्यूएसी, प्रोफेसर सुधीर कुमार श्रीवास्तव,गणित,राजनीति विज्ञान विभागों के प्रमुख,कार्यक्रम समन्वयक और सदाय उपस्थित थे। अभिनव एवं दूरस्थ शिक्षा केंद्र के प्रोफेसर भरत ना, डॉ. विक्रमा पालीवाल,डॉ.तुलिका मिश्रा और डॉ. स्वर्णिमा सिंह भी मौजूद रहे।